प्रश्न पत्र – MJY-E 404

अर्जिताधिभार 06-05

एम0ए0 चतुर्थ–सत्र

वैकल्पिक पत्र–2

श्रौतयाग (4)

70+30=100 पूर्णांक

SHRAUTAYAGA - 4

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 चातुर्मास्य (वैश्वदेव याग, वरुणप्रवास याग, शाकमेघ, सुनाशिरीय)
खण्ड – 2 आतिथ्येष्टि याग
खण्ड – 3 सौत्रामणी याग
खण्ड – 4 निरूढ पशुबन्ध याग

सन्दर्भग्रन्थ :

1. आश्वलायन श्रौतसूत्र 5/वैदिक वाङ्मय में चातुर्मास्य यज्ञ–डॉ0 लालताप्रसाद द्विवेदी–पेन ने पब्लिशर्स, दिल्ली
2. आश्वलायन श्रौतसूत्र 8
3. आश्वलायन श्रौतसूत्र 19/आश्वलायन श्रौतसूत्र पूर्वषटक 3.9/वैखानस श्रौतसूत्र 11.1.6
4. आश्वलायन श्रौतसूत्र 6/आश्वलायन श्रौतसूत्र पूर्वषटक 3.1.8/वैखानस श्रौतसूत्र 10
5. वैदिक पशु यज्ञ मीमांसा–डॉ0 कृष्ण आचार्य
6. वैदिक यज्ञ स्वरूप – पशुबलि विशेष सन्दर्भ–डॉ0 कृष्ण लाल